Shri Balaji Institute of Medical Sciences, Mowa, Raipur (C.G.)

Gen Medicine

Shri Balaji Institute of Medical Sciences, Mowa, Raipur (C.G.)

Obst & GY

Shri Balaji Institute of Medical Sciences,
Mowa, Raipur (C.G.)

Shri Balaji Institute of Medical Sciences, Mowa, Raipur (C.G.)

Shri Balaji Institute of Medical Sciences,
Mowa, Raipur (C.G.)

Paper Cutting

बच्चेदानी सम्बन्धी रोगों में दूरबीन पद्धति ऑप्रेशन सबसे सुरक्षित

दबंग दुनिया

रायपुर । महिलाओं में बच्चेदानी से संबंधित रोगों के इलाज में ऑपरेशन की नवीनतम तकनीकी की जानकारी देने के लिए छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मोवा स्थित बालाजी हॉस्पिटल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन बालाजी हॉस्पिटल और सीजी आईएजीई ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में देश और विदेश से प्रसिद्ध एंडोस्कोपिस्ट विशेषज्ञ शामिल हुए। सम्मेलन के उपरांत प्रेस कॉन्फ्रेंस में बालाजी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर देवेंद्र नायक ने बताया कि बच्चेदानी से संबंधित रोगों के निदान के लिए ऑपरेशन की तीन पद्धतियों पर विस्तार पूर्वक विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई। पहला खुला ऑपरेशन करने की है, दूसरी दूरबीन पद्धति और तीसरी रोबोटिक पद्धति से

ऑपरेशन है।

इनमें दूरबीन पद्धति का ऑपरेशन सबसे सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि सामान्यत लोगों में इस बात को लेकर भ्रम है कि दूरबीन पद्धति का ऑपरेशन सफल नहीं है पर यह गलत है। दूरबीन पद्धति का ऑपरेशन सबसे सुरक्षित और सबसे सफल है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में यह पहली बार हो रहा है जब किसी राज्य स्तरीय सम्मेलन में विशेषज्ञ उपस्थित होकर दूरबीन पद्धति की नवीनतम तकनीकी की जानकारी चिकित्सकों को दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन, सीजी आईएजीई के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मनोज चेलानी द्वारा शुरू किया गया एक सहयोगात्मक प्रयास है, जो हिस्टेरोस्कोपी के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। सम्मेलन के उद्घाटन दिवस पर संरक्षक के रूप में कार्यरत डॉ. आभा सिंह और डॉ. देवेन्द्र नायक और आईएजीई के अध्यक्ष डॉ. पंडित पलस्कर शामिल थे। चिकित्सा क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्ती डॉ. हफीज रहमान ने भी अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ. मनोज चेलानी ने देश और विदेश के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सहयोग को बढ़ावा देने, ज्ञान साझा करने और चिकित्सा प्रगति में सबसे आगे रहने में ऐसे सम्मेलनों के महत्व पर जोर दिया। सम्मेलन का पहला दिन हिस्टेरोस्कोपी में नवीनतम विकास पर व्यापक चर्चा पर केंद्रित था। डॉ. आभा सिंह, डॉ. देवेन्द्र नायक, डॉ. पंडित पलस्कर और डॉ. हफीज रहमान जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने विचार-विमर्श को बहुत महत्वपूर्ण बना दिया। उनकी अंतर्दृष्टि और विशेषज्ञता ने निस्संदेह आयोजन की समग्र सफलता में योगदान दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ नीरजा अग्रवाल ने बताया कि बच्चेदानी संबंधी सभी रोगों में ऑप्रेशन की जरूरत नहीं होती, इसके बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

बच्चादानी को हटा देना हर बार समस्या का सही इलाज नहीं है: डॉ. चलानी

रायपुर | सीजी आईएजीई के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मनोज चेलानी ने कहा कि आजकल थोड़ी भी समस्या होने पर ऑपरेशन करके बच्चेदानी निकाल देने का चलन बढ़ता जा रहा है। लेकिन बच्चेदानी हटा देना हर मर्ज का इलाज नहीं है। वे रविवार को हिस्ट्रोस्कोपी में प्रगति पर राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में देश और विदेशों से विशेषज्ञ शामिल हुए।

डॉ. चेलानी ने कहा कि हिस्ट्रोस्कोपी में प्रगति पर राज्य स्तरीय सम्मेलन विशेषज्ञों के लिए विचारों का आदान-प्रदान का चिकित्सा जगत को लाभ होगा। इसमें संरक्षक डॉ. आभा सिंह, डॉ. देवेन्द्र नायक और आईएजीई के अध्यक्ष डॉ. पंडित पलस्कर के साथ चिकित्सा क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्ती डॉ. हफीज रहमान ने एंडोस्कोपी के क्षेत्र में अध्ययन और अभ्यास पर विस्तार से चर्चा की।

Two day conference on Hysteroscopy concludes

Raipur: The two-day state level conference on advancements in Hysteroscopy, concluded on January 28. The conference gathered experts and delegates nationally and internationally.

Dr. Manoj Chellani, founder Chairperson of CG IAGE, led the workshop. The workshop included 22 experts from different states including Ahmedabad, Mumbai, and many more, said doctors during the interaction.

The main aim of the workshop was to create awareness among the people that during endometrium surgeries, removing the uterus will only resolve the issue that a woman is facing is never important. There are various misconceptions among the adults and people regarding it.

Besides, live Robotic surgeries were conducted for the patients for free of cost by Dr. Devendra Naik and the team. This facility was for two days during which patients from the periphery of the state including Ambikapur, Jagdalpur made their registrations and were treated

बच्चादानी को हटा देना हर बार समस्या का सही इलाज नहीं है: डॉ. चलानी

रायपुर | सीजी आईएजीई के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मनोज चेलानी ने कहा कि आजकल थोड़ी भी समस्या होने पर ऑपरेशन करके बच्चेदानी निकाल देने का चलन बढ़ता जा रहा है। लेकिन बच्चेदानी हटा देना हर मर्ज का इलाज नहीं है। वे रविवार को हिस्ट्रोस्कोपी में प्रगति पर राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में देश और विदेशों से विशेषज्ञ शामिल हुए।

डॉ. चेलानी ने कहा कि हिस्ट्रोस्कोपी में प्रगति पर राज्य स्तरीय सम्मेलन विशेषज्ञों के लिए विचारों का आदान-प्रदान का चिकित्सा जगत को लाभ होगा। इसमें संरक्षक डॉ. आभा सिंह, डॉ. देवेन्द्र नायक और आईएजीई के अध्यक्ष डॉ. पंडित पलस्कर के साथ चिकित्सा क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्ती डॉ. हफीज रहमान ने एंडोस्कोपी के क्षेत्र में अध्ययन और अभ्यास पर विस्तार से चर्चा की।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajdhani - 29 Jan 2024 - 29 raj 2
epaper.navabharat.news

हिस्टेरोस्कोपी की नई तकनीक पर गहन मंथन

रायपुर। हिस्टेरोस्कोपी की प्रगति पर आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन में हिस्टेरोस्कोपी की नई तकनीक पर गहन मंथन किया गया। विशेषज्ञों ने इस दौरान हिस्टेरोस्कोपी पर अपने अनुभव साझा किए। सम्मेलन के माध्यम से देश और विदेश के प्रसिद्ध एंडोस्कोपिस्ट विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाया गया। यह सम्मेलन सीजी आईएजीई के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मनोज चेलानी के प्रयास से आयोजित हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन दिवस पर प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की मौजूदगी रही। इनमें संरक्षक के रूप में कार्यरत डॉ. आभा सिंह, डॉ. देवेन्द्र नायक और आईएजीई के अध्यक्ष डॉ. पंडित पलस्कर शामिल थे। चिकित्सा क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्ती डॉ. हफीज रहमान ने भी मार्गदर्शन किया। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने एंडोस्कोपी के क्षेत्र में अध्ययन और अभ्यास पर न केवल विचार रखे बल्कि अनुभव साझा किए। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. चेलानी ने चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग, ज्ञान साझा करने और चिकित्सा प्रगति में सबसे आगे रहने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बच्चेदानी हटाना हर संबंधित मर्ज का इलाज नहीं है। सम्मेलन के पहले दिन हिस्टेरोस्कोपी में नवीनतम विकास पर व्यापक चर्चा हुई। वहीं दूसरे दिन हिस्टेरोस्कोपी के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया गया।